Roll No. .....

E–3253

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2021

(Old Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 21

(अ) धर्म अधर्म एक दरसाई। राजा करै सो न्याय सदाई॥
भीतर स्वाहा बाहर सादे। राज करहिं अमले अरु प्यादे॥
अन्धाधुन्ध मच्यौ सब देसा। मानहुँ राजा रहत बिदेसा॥
गो द्विज श्रुति आदर नहिं होई। मानहुँ नृपति बिधर्म्मी कोई॥
ऊँच नीच सब एकहि सारा। मानहुँ ब्रह्म ज्ञान बिस्तारा॥

अथवा

अमराई से जुड़ने का अर्थ होता है, बसन्त से जुड़ना, बसन्त की तैयारी से जुड़ना, जीवन के नवीनीकरण की प्रक्रिया से जुड़ना, शक्ति से सघन श्यामल प्रसार से जुड़ना, संगीत मातृका

दूर्वादल-श्यामा महामातंगी से जुड़ना, पूर्णपातन, पल्लवन, कुसमन और फलन की समग्रता से जुड़ना, प्रकृति के एकतालबद्ध समाज की समरस्वरता से जुड़ना, मनुष्य के एकांत-विश्वास से जुड़ना और धरती उमंग की आकाश के स्वस्ति-वाचन से जुड़ना।

(ब) अपने देश के तरुण साहित्यकारों से मेरा अनुरोध है कि वे अपने देश को उसके समस्त गुण-दोषों के साथ देखें और ऐसे साहित्य की सृष्टि करें जो इस जीर्ण देश में ऐसे नवीन अमृत का संचार करे कि वह एक दृढ़चेता व्यक्ति की भाँति संसार से घृणा और अन्याय को मिटा देने के लिए उठ खड़ा हो।

अथवा

जिंदगी भर गुनाहों का बोझ उठाया है, तो मरते वक्त उसका तजकिरा भी न उठायें ? लेकिन जीनत ! हमने सैकड़ों बार अपने दिल को दिलासा देने की कोशिश की। हमने गुनाह कहाँ किये ? कुराने पाक की रूह से, शरअ से ..... इस्लाम का नाम दुनिया में बुलंद करने के लिए—जिहाद के लिए, जो काम हमने किए, क्या उनका नाम गुनाह है ? काफिरों को जहन्नुम रसीद किया ..... क्या यह गुनाह है ? उपनिषद् पढ़ने वाले दारा से सल्तनत छीनी ..... क्या यह गुनाह है ?

(स) देखो आदमी के सामने बड़ी समस्या यह है कि वह अपनी बची कुची शक्ति किस तरह काम में ले आये ? आदिम जंगलीपन से लेकर आज तक की सभ्यता तक जो कुछ भी आदमी ने अपने को दुःखी या सुखी बनाने के लिए किया है, वह इस शक्ति को काम में लाने के लिए। फिर दुःख या सुख तो इतनी ठोस चीजें हैं कि एक दिन तुम देखोगी कि यह शीशियों में बिका करेंगी। फिर शीशियों में।

अथवा

इस युग में हम अपना सबकुछ विदेशी आँखों में देख रहे हैं। स्वतंत्रता का उत्सव हम मना रहे हैं, अपने को भूलकर अपने गुण और अपनी मान्यताओं को भूलकर। आगे चलने में पीछे घूमकर देखते नहीं थे, वहीं अब दूसरों की पीछे सरपट दौड़ रहे हैं। स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र नारी को अब सबकुछ फाड़ फेंकना है। जानकी उनके लिए बड़ी भोली और धर्मभीरू है ..... उसमें बुद्धि की कमी है, साहस की कमी है, व्यक्तित्व की कमी है।

2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की नाट्य साधना का परिचय देते हुए 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रहसन की दृष्टि से समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

आचार्य रामचंद्र शुक्ल का परिचय देते हुए क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है। विवेचना कीजिए।

3. व्यंग को परिभाषित करते हुए हरिशंकर परसाई द्वारा लिखित एकांकी 'बेईमानी की परत' की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'मम्मी ठकुराइन' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) एकांकी की विकासयात्रा

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी का बसंत

(iii) राहुल सांकृत्यायन की भाषा

(iv) महादेवी वर्मा की साहित्यिक विशेषता

(v) हबीब तनवीर का नाट्यकला को योगदान

(vi) उदय शंकर भट्ट की रचनाधर्मिता

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(i) 'कविवचन सुधा' के रचनाकार।

(ii) गोवर्धन दास किस नाटक का पात्र है ?

(iii) 'अंधेर नगरी' किस प्रकार की रचना है ?

(iv) हिन्दी निबंध के विकासक्रम को कितने युगों में विभक्त किया जा सकता है ?

(v) मनोविकार से सम्बन्धित कौन-सा निबंध आपके पाठ्यक्रम में संकलित है ?

(vi) पाठ्यक्रम (गद्यरंग) की मूल रचना के प्रधान संपादक तथा संपादक के नाम लिखिए।

(vii) 'बसंत आ गया है' निबंध के कृतिकार।

(viii) 'एक दिन' एकांकी के रचनाकार।

(ix) राहुल सांकृत्यायन का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(x) 'निहार' और 'दीपशिखा' के कृतिकार।

(xi) छत्तीसगढ़ी नाट्यकला को विदेशों तक पहुँचाने में किसका योगदान रहा ?

(xii) 'चरणदास चोर' और 'बहादुर कलारिन' के नाट्यकर्त्ता।

(xiii) 'मेरी लद्दाख यात्रा' के रचनाकार।

(xiv) हरिशंकर परसाई किस विधा के नाम से प्रसिद्ध हुए ?

(xv) चित्रात्मक एवं अलंकारयुक्त भाषा किस निबंधकार की है ?

(xvi) 'यात्रा साहित्य' का रचनाकार किसे कहा जाता है ?

(xvii) नीता किस एकांकी की पात्र है ?